RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 01 APRIL TO 07 APRIL 2020 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 05 ■ अंक 32 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

PM CARES Fund में देने वाली रकम पर 100% मिलेगी Income Tax छूट Page 3

कोरोना: रेलवे कोच बन गया अस्पताल, तैयार हो रहे 3.2 लाख आइसोलेशन बेड Page 5

BS6 हुंडई वरना लॉन्च शुरुआती कीमत 9.31 लाख रुपए Page 7

editoria!

जी20: मिलकर करेंगे मुकाबला

असाधारण परिस्थितियों में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन को इस बार विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संपन्न करना पड़ा। आज जब पूरी दुनिया कोरोना वायरस से जंग लड़ रही है, इसके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय एकजुटता पहली बार संसार की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के मंच जी-20 पर ही देखी गई। इस मंच पर सदस्य देशों ने जो संकल्प लिए हैं, उन्हें वे पूरा कर ले गए तो कोरोना के अभिशाप से निपटने में दुनिया को इससे काफी मदद मिलेगी। कोरोना वायरस के असर से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाली मार का मुकाबला करने के लिए जी-20 देशों ने पांच ट्रिलियन डॉलर खर्च करने का फैसला किया है। सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए सऊदी अरब के शाह सलमान ने जी-20 के नेताओं से अपील की कि वे वैश्विक महामारी से निपटने के लिए 'कारगर एवं समन्वित कार्यवाही' की ओर बढ़ें। उन्होंने जी-20 देशों से विकासशील देशों की मदद करने का भी आग्रह किया। इतने सारे राष्ट्राध्यक्षों के विडियो संवाद का यह पहला अवसर था, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप, जापान के पीएम शिंजो आबे और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के अलावा विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व खाद्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन समेत कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अगर सच में दुनिया की हालत सुधारनी है तो हमें केवल आर्थिक पहलू पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय जनकल्याण पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें इस बहस में नहीं जाना चाहिए कि कोरोना वायरस का संक्रमण कहां से या कैसे शुरू हुआ। जी-20 के सदस्य देशों को मिलकर इस वैश्विक संक्रमण को दूर करने के उपायों पर बात करनी चाहिए। भारत इस महामारी के प्रभावों से निपटने के लिए कई नीतिगत उपाय कर रहा है। शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक ने मुख्य ब्याज दर रेपो रेट में 0.75 प्रतिशत और रिवर्स रेपो रेट में 0.90 प्रतिशत की कटौती घोषित की, जो एक दिन में ब्याज दरों में अभी तक का सबसे बड़ा बदलाव है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि इन कदमों से बैंकों के पास कर्ज देने के लिए 3.74 लाख करोड़ रुपये के बराबर अतिरिक्त नकदी उपलब्ध होगी। सभी वाणिज्यिक बैंकों और ऋणदाता संस्थानों को छूट दी गई है कि वे किसी भी कर्ज की किस्तें तीन महीने तक न जमा होने पर भी उसे बट्टे खाते में न डालें। उम्मीद करें कि तमाम देश अपने यहां ऐसे सभी उपाय करेंगे, जिनसे घर बैठने के बावजूद लोगों का जीवन चलता रहे, वे अपनी कर्ज अदायगी को लेकर परेशान न हों, और जैसे ही महामारी काबू में आनी शुरू हो, विश्व अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने की शुरुआत भी हो जाए।

बियर से सस्ता पेट्रोल-डीजल

जानिए कोरोना के खेल में कैसे बिगड़ गया तेल बाजार

दुनियाभर में कोरोना वायरस की वजह से आवाजाही पर सख्त पाबंदियों के चलते कच्चे तेल की मांग में भारी कमी आई है, जबकि इसका भंडार काफी बढ़ गया है। इधर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार क्रूड ऑयल के दाम घटने पर भी भारत में कोई खास असर नहीं दिखाई दे रहा है। मगर कई ऐसे देश भी हैं जहां पेट्रोल-डीजल का दाम बियर से भी कम है। हम बात कर रहे हैं अमेरिकी देश कनाडा की जहां बियर से सस्ता पेट्रोल-डीजल मिल रहा है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, एक बैरल कच्चे तेल का दाम 20 डॉलर से भी कम है। कनाडा में अच्छी क्वालिटी का बियर के लिए पांच डॉलर मिल रहा है मगर एक बैरल तेल इससे भी कम दाम में।

ट्रेडर्स वेस्टर्न कनाडा सेलेक्ट (WCS) ने एक बैरल तेल का दाम 4.8 डॉलर तय किया है। यह विश्वास करने लायक बात तो नहीं है मगर सच यही है। ट्रेडर्स के मुताबिक, दामों में गिरावट की वजह का सबसे बड़ा कारण चीन के बंद बाजार है। चीनी बाजार बंद होने से एशिया में तेलों की मांग काफी कम हुई है। तेल उत्पादक देश अपनी लागत निकालने के चक्कर में कच्चे तेलों को औने-पौने दाम में बेच रहे हैं। जैसे ही बाजार खुलेंगे वैसे ही तेलों की मांग बढ़ेगी और फिर सबकुछ वैसा ही होगा जैसा पहले था। बता दें कि कोरोना वायरस के चलते दुनिया भर में 33,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और यूरोप तथा अमेरिका इससे सबसे अधिक प्रभावित हैं। कोरोना वायरस से लड़ने के लिए दुनिया भर में सरकारें लॉकडाउन का सहारा ले रही हैं और यात्रा प्रतिबंध लागू किए गए हैं, जिसके चलते कच्चे तेल पर भारी दबाव है।

मांग में गिरावट के विपरीत कच्चे तेल की आपूर्ति में नाटकीय रूप से बढ़ोतरी हुई है और शीर्ष उत्पादक सऊदी अरब तथा रूस के बीच कीमत युद्ध चल रहा है। रियाद ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह उत्पादन में किसी कटौती के लिए मास्को के संपर्क में नहीं है, दूसरी ओर रूस के उप ऊर्जा मंत्री ने कहा था कि तेल की कीमत 25 डॉलर प्रति बैरल तक रूस के उत्पादों के लिए बुरी नहीं है। इससे यह संकेत मिला कि अभी दोनों पक्ष किसी सहमति से दूर हैं।

घटते दाम से सरकार का भर रहा है खजाना

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से एक तरफ भारत को कम विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ रही है। वहीं दूसरी ओर वह कच्चे तेल के दाम में गिरावट के बाद पेट्रोल-डीजल का दाम घटाने की बजाय उत्पाद शुल्क बढ़ाकर सरकारी खजाना भर रहा है। एक अनुमान के मुताबिक, उत्पाद शुल्क एक रुपया बढ़ने पर सरकार को 13 हजार करोड़ का लाभ होता है।

सऊदी अरब- रूस के बीच तेल मूल्य युद्ध समाप्त करने में मदद के लिये तैयार हैं ट्रंप

वाशिंगटन। एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह रूस और सऊदी अरब के बीच कच्चे तेल की कीमतों को लेकर छिड़े 'युद्ध' को समाप्त करने में मदद को तैयार हैं। इस 'युद्ध' की वजह से कच्चे तेल की बेंचमार्क कीमतें 17 साल के निचले स्तर पर आ गई है। कोरोना वायरस महामारी के बीच वैश्विक मंदी के जोखिम से कच्चे तेल के दाम पहले ही काफी नीचे आ चुके हैं। मार्च की शुरुआत में कच्चे तेल के शीर्ष उत्पादक देशों के बीच उत्पादन कटौती को लेकर समझौता विफल होने के बाद सऊदी अरब ने कहा था कि वह निर्यात बढ़ाएगा। सऊदी अरब ने सोमवार को कहा कि वह मई से निर्यात बढ़ाकर 1.06 करोड़ बैरल प्रतिदिन करेगा, जबकि कच्चे तेल की आपूर्ति पहले से जरूरत से ज्यादा है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतीन और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से फोन पर बातचीत की जिससे कीमत युद्ध को ठंडा किया जा सके। ट्रंप ने कहा, "दोनों पक्ष इस पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। यदि जरूरत हुई, तो मैं उचित समय पर इस बातचीत का हिस्सा बनूंगा।"

सेंसेक्स ने लगाया 1,203 अंक का गोता, निफ्टी 8,300 के नीचे आया

ब्रेंट क्रूड का भाव 5.20 प्रतिशत लुढ़ककर 24.98 डॉलर प्रति बैरल पर

मुंबई। एजेंसी

शेयर बाजारों में नये वित्त वर्ष की शुरूआता अच्छी नहीं रही और बीएसई सेंसेक्स बुधवार को 1,203 अंक लुढ़ककर 28,265.31 अंक पर बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों में बिकवाली के साथ घरेलू बाजार में भी गिरावट दर्ज की गयी। कोरोना वायरस महामारी के कारण दुनिया भर में 'रोकथाम की पाबंदियों' का प्रभाव अर्थव्यवस्थाओं और निवेशकों पर पड़ रहा है। तीस शेयरों वाला सेंसेक्स 1,203.18 अंक यानी 4.08 प्रतिशत टूटकर 28,265.31 अंक पर बंद हुआ।इसी प्रकार,नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 343.95 अंक यानी 4 प्रतिशत का गोता लगाकार 8,253.80 अंक पर बंद हुआ।

वैश्विक स्तर पर चीन में शंघाई, हांगकांग, जापान में तोक्यो और दक्षिण कोरिया के सोल में 4 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गयी। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरूआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 5.20 प्रतिशत लुढ़ककर 24.98 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में टेक महिंद्रा रही। कंपनी का शेयर 9 प्रतिशत तक लुढ़क गया। उसके बाद क्रमशः कोटक बैंक, एक्सिस बैंक, टीसीएस, इन्फोसिस और एचयूएल का स्थान रहा। वहीं दूसरी तरफ हीरो मोटो कार्प, बजाज ऑटो, बजाज फाइनेंस और टाइटन के शेयर लाभ में रहे। कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट वैश्विक बाजारों के अनुरूप रही। कोरोना वायरस महामारी से राहत मिलने की संभावना नहीं दिखने के साथ बाजार में गिरावट आयी। उनका कहना है कि वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिये 'लॉकडाउन' का असर कारोबार पर दिख रहा है। दुनिया भर में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या 8.6 लाख पहुंच गयी है जबकि 42,000 लोगों की मौत हुई है। वहीं भारत में स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार कोरोना वायरस से संक्रमित मामले 1,637 हो गये है जबकि मरने वालों की संख्या 38 पहुंच गयी है।

पेट्रोलपंप पर मिलेगा दुनिया का सबसे साफ पेट्रोल-डीजल

जानिए क्या होगा पुरानी कार में डालने पर?

नई दिल्ली। एजेंसी

आमतौर पर माना जाता है कि जिस ईंधन में सल्फर (Sulphur Content in Fuel) की मात्रा जितनी कम होगी, वो ईंधन उतना ही साफ और प्रदूषण के लिहाज से बेहतर होगा। सल्फर कम होने की वजह से ईंधन के उत्सर्जन में NOx और कार्बन मोनाऑक्साइड (CO) और हाइड्रोकॉर्बन की मात्रा कम होगी। रिपोर्ट्स में दावा किया जा चुका है कि BS4 ईंधन में 50 फीसदी पार्टिकुलेट मैटर पाया जाता है। हालांकि, ईंधन की सल्फर कंटेट की मात्रा होना भी एफिसिएंसी के लिए जरूरी होता है। आपको बता दें कि देश की सबसे बड़ी ऑयल मार्केटिंग कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (Indian Oil Corporation Limited) के 28,000 पेट्रोल पंपों (Petrol Pump) पर मार्च के आखिरी हफ्ते से ही BSVI अपने पेट्रोलपंप पर इसकी सप्लाई शुरू कर दी थी। अब सबसे बड़ा सवाल यहीं उठता है कि अगर पुरानी ऍफ्ड कार में ये पेट्रोल या फिर डीज़ल डाला तो क्या होगा? आइए जानें

(1) सवाल- क्या होगा जब आप अपनी BS4 कार में BS6 ईंधन का इस्तेमाल करेंगे?

जवाब-अगर आपके पास BS4 इंजन वाली कार है तो भी आप इसमें BS6 ईंधन का प्रयोग कर सकते हैं। आमतौर पर, ईंधन में सल्फर ल्यूब्रिकेंट (Lubricant) की तरह काम करता है।

(2) सवाल-क्या BS6 इंजन BS4 ईंधन पर काम करेगा?

जवाब-पेट्रोल और डीजल में होने वाले बदलाव से इनकी कैमिकल प्रॉपर्टी में भी बदलाव आएगा। ऐसे में BS4 से BS6 हो जाने पर पेट्रोल पर नहीं बल्कि डीजल पर ज्यादा असर होगा। नए डीजल में सल्फर की मात्रा कम होगी जो पहले बिकने वाले डीजल में 500 पीपीएम -पार्ट्स प्रति मिलियन- था। फिलहाल बिक रहे डीजल में सल्फर की मात्रा 50 पीपीएम और BS6 डीजल में इसकी मात्रा महज़ 10 पीपीएम रह जाएगी। इससे साफ तौर पर पर्यावरण में कम प्रदूषण फैलेगा। इसके साथ ही इंजन भी आसानी से चलेगा जिससे इसे लंबे समय तक ज्यादा नुकसान नहीं होगा। अपडेटेड इलैक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर के साथ कोई भी BS6 कार BS6 इंधन डालकर चलाई जा सकती है। इन कारों के एग्ज़ॉस्ट सिस्टम में अलग से कई पार्ट लगे होते हैं। ऐसी कारों में ज्यादा मात्रा में सल्फर युक्त इंधन डालने से कार के इंजन पर बुरा असर पड़ेगा। इंजन साधारण गति में चलने की जगह ज्यादा तेज़ चलेगा। इससे कार की इंजन की उम्र कम हो जाती है। इससे कार की फ्यूल इकोनॉमी भी बिगड़ जाती है जिससे कार के माइलेज पर फर्क पड़ता है। BS6 कार में BS4 इंधन इस्तेमाल से तो और भी ज्यादा बुरा प्रभाव इंजन पर पड़ता है।

(3) सवाल-क्या आप अपनी पुरानी कार को BS6 स्टैंडर्ड के लिए कन्वर्ट कर सकते हैं?

जवाब-किसी पुराने वाहन को BS6 स्टैंडर्ड के लिए कन्वर्ट किया जाता सकता है। लेकिन, इसका खर्च बहुत अधिक होता है। साथ ही भारत में ऐसा करना गैरकानूनी है।

(4) सवाल-क्या BS6 वाहनों के लिए पालुशन सर्टिफिकेट की जरूरत होगी?

जवाब-हां, भारतीय रोड पर चलने वाले BS6 इंजन वाले वाहनों को पॉलुशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट (Pollution Under Control Certificate) की जरूरत होगी। इसका प्रावधान मोटर व्हीकल एक्ट में भी है।

(5) सवाल-कार की परफॉर्मेंस पर क्या अंतर होगा?

जवाब- BS6 वाहनों में लगने वाला इंजन BS4 की तुलना में साफ होगा। नए इंजन में एक्जॉस्ट सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए नए कम्पोनेन्ट लगाया जा रहा है। इससे कार की परफॉर्मेंस में मामूली अंतर होगा। यही कारण है कि कई मैन्युफैक्चरर्स ऐसे इंजन बनाने पर जोर दे रहे जो कि परफॉर्मेंस, Efficiency और उत्सर्जन के लिहाज से बेहतर हों।

(6) वाहनों के माइलेज पर क्या असर होगा?

जवाब-दोनों इंजन में तुलना करने पर माइलेज में मामूली अंतर होगा। टेस्टिंग के दौरान BS6 इंजन वाली Maruti Dzire का माइलेज 21।21 किलोमीटर प्रति लीटर था। जबकि, BS4 वाले इंजन के साथ यह 22 किलोमीटर प्रति लीटर था। इस प्रकार, दोनों इंजन वाली वाहनों के माइलेज में मामूली अंतर होगा।

एलपीजी सिलेंडर के घट गए दाम

रसोई गैस के लिए देना होगी कम राशि

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

कोरोना वायरस के इस संकट की घड़ी में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने गैर-सब्सिडाइज्ड श्ड्ड ईं ण्ब्न्ही यानी बिना सब्सिडी वाले रसोई गैस की कीमतों में कटौती की है। आम आदमी के लिए यह बड़ी राहत की खबर है। 14।2 किलोग्राम वाले गैर-सब्सिडाइज्ड एएनपीजी सिलेंडर के दाम दिल्ली में 61।5 रुपये प्रति सिलेंडर सस्ते हुए हैं।

ये हैं एलपीजी सिलेंडर की नई कीमतें

दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले गैर-सब्सिडाइज्ड रसोई गैस सिलेंडर की कीमत घटकर 744 रुपये रह गई है जो 805.50 रुपये थी। इसी प्रकार, कोलकाता में 744.50 रुपये, मुंबई में 714.50 रुपये और चेन्नई में 761.50 रुपये हो गई है जो क्रमशः 839.50 रुपये, 776.50 रुपये और 826 रुपये हुआ करती थी।

19 किग्रा के एलपीजी सिलेंडर की कीमतें भी घटीं

Indian Oil की वेबसाइट के अनुसार, 19 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भी कटौती की गई है जो पहली अप्रैल से प्रभावी है। दिल्ली में 19 किग्रा का रसोई गैस सिलेंडर 96 रुपये सस्ता हुआ है। पहले इसकी कीमत 1,381.50 रुपये प्रति सिलेंडर थी जो पहली अप्रैल से घटकर 1,285.50 रुपये हो गई है। इसी प्रकार, कोलकाता में इसकी कीमतें घटकर 1,348.50 रुपये, मुंबई में 1,234.50 रुपये और चेन्नई में 1,402 रुपये हो गई है।

वित्त वर्ष के पहले दिन निवेशकों को लगी 3.20 लाख करोड़ रुपये की चपत

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

नये वित्त वर्ष के पहले निवेशकों को 3,20,633.05 करोड़ रुपये की चपत लगी। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के साथ शेयर बाजारों में बिकवाली का जोर देखा गया। बीएसई सेंसेक्स बुधवार को 1,203.18 अंक यानी 4.08 प्रतिशत लुढ़क कर 28,265.31 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ बीसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3,20,633.05 करोड़ रुपये घटकर 1,10,28,123.54 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पहले, वित्त वर्ष 2019-20 के अंतिम दिन यानी मंगलवार को शेयर बाजारों में अच्छी तेजी दर्ज की गयी थी।

कोरोना वायरस से निपटने के लिये भारत पूरी तरह से तैयार, प्रभाव काबू में होगाः नीति सदस्य

नयी दिल्ली। एजेंसी

नीति आयोग के सदस्य वी के पॉल ने बुधवार को कहा कि भारत में कोरोना वायरस महामारी का असर काफी कम और काबू करने लायक होगा। उन्होंने कहा कि इसका कारण अन्य देशों के मुकाबले देश में 'लॉकडाउन' और यात्रा पाबंदी का निर्णय बहुत पहले ही ले लिया गया। महामारी से निपटने के लिये जा रहे प्रयासों के समन्वय के लिये गठित समिति के अध्यक्ष पॉल ने कहा कि देश इससे निपटने के पूरी तरह से तैयार है। हालांकि उन्होंने कहा कि इस समय यह बताना मुश्किल है कि स्थिति कब तक स्थिर होगी क्योंकि यह कई बातों पर निर्भर है। यह इस पर निर्भर करेगा कि हम जो भी कदम उठा रहे हैं, वे कितने प्रभावी होते हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार देश में कोरोना वायरस संक्रमित मामलों की संख्या बुधवार को 1,637 पहुंच गयी जबकि 38 लोगों की मौत हो चुकी है। कुल संक्रमित मामलों में से 132 लोग ठीक हो चुके हैं जबकि एक अन्य दूसरा देश चला गया है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि स्थिति अगर बदतर होती है तो यह महामारी देश के किसी भी हिस्से की आबादी के लिये विनाशकारी हो सकती है।

पॉल ने न्यूज एजेंसी से कहा, ''भारत ने अन्य देशों के मुकाबले कोरोना वायरस महामारी को रोकने के लिये काफी पहले कदम उठाया। चाहे वह यात्रा पाबंदी हो या फिर एक-दूसरे से दूरी बनाये रखना...और भारत ने 'लॉकडाउन' का बड़ा निर्णय किया जिसे अन्य देशों ने लेने में लंबा समय लगाया और वे सही समय से चूके। इसीलिए मुझे भरोसा है कि महामारी का असर बहुत कम और काबू करने लायक होगा।''कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिये देश में 25 मार्च से 21 दिन का 'लॉकडाउन' है। इस देशव्यापी बंद के कारण एक बड़ा अंतर आएगा क्योंकि इससे वायरस फैलने की जो एक श्रृंखला है, वह टूटेगी और इसे उल्लेखनीय रूप से काबू में किया जा सकेगा। प्रवासी कामगारों के शहर छोड़कर अपने पैतृक गांव या शहर जाने से कोरोना वायरस संक्रमण के फैलने की आशंका के बारे में पूछे जाने पर पॉल ने कहा कि इस प्रकार की चीजों से 'लॉकडाउन' के कारण होने वाले लाभ में काई बड़ा अंतर नहीं आएगा।

देशव्यापी बंद के कारण हजारों प्रवासी कामगारों की आय पर असर पड़ा और वे अपने घरों को लौटने लगे। विभिन्न राज्य सरकारों ने इसे रोकने के लिये कदम उठाया और सुनिश्चित किया ऐसे लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी की जाए। उन्होंने कहा, ''कुछ लाख प्रवासी कामगार अगर एक

स्थान से दूसरे स्थान जा रहे हैं, इसकी तुलना दैनिक आधार पर जो करोड़ों लोग आ-जा रहे थे, उससे नहीं की जा सकती...हमें मानवीय मसलों का हल करना है लेकिन इतनी कम संख्या में लोगों की आवाजाही से 'लॉकडाउन' के कारण होने वाले व्यापक लाभ में काई बड़ा अंतर नहीं आएगा।'' पॉल ने उदाहरण देते हुए कहा कि रोजाना एक करोड़ से अधिक लोग ट्रेनों में और करीब 4-5 करोड़ लोग बसों में यात्रा करते हैं।

उन्होंने कहा, ''लॉकडाउन से पहले यह स्थिति थी लेकिन अब यह सब बंद है....।'' पॉल ने कहा, ''स्थिति अगर बदतर होती है तो यह महामारी देश के किसी भी हिस्से की आबादी के लिये विनाशकारी हो सकती है।'' उन्होंने कहा, ''हम हर स्थिति के लिये पूरी तरह से तैयार हैं...हम यह सुनिश्चत करेंगे कि इससे कम-से-कम मानवीय नुकसान हो और देश की अर्थव्यवस्था पर ज्यादा बोझ नहीं पड़े।'' उनसे यह पूछा गया था कि क्या देश में सामुदायिक आधार पर संक्रमण की स्थिति उत्पन्न हुई है। उल्लेखनीय है कि गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने पॉल की अध्यक्षता में 11 सदस्यीय अधिकारियों का अधिकार प्राप्त समूह का गठन किया है। इस समूह का काम कोरोना वायरस पर लगाम लगाने के लिये योजना बनाना और उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है।

यह पूछे जाने पर कि स्थिति कबतक सामान्य होगी, पॉल ने कहा कि यह कई कारकों पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा, ''यह इस बात पर निर्भर करेगा कि 'लॉकडाउन' कितना प्रभावी होता है। सामाजिक दूरी को लेकर जो उपाय किये जा रहे हैं, वे कितने प्रभावी है। और कितने बेहतर तरीके से हम अपने कुछ क्षेत्रों में फैले संक्रमण को रोकते हैं।''एक सवाल के जवाब में पॉल ने कहा कि सरकार डाक्टरों के लिये व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) की उपलब्धता बढ़ाने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, ''जल्दी ही इसके अपर्याप्त होने का कोई मुद्दा नहीं होगा। अभी भी हमारे पास जरूरत से ज्यादा पीपीई उपलब्ध है।'' नीति आयोग के सदस्य ने कोरोना वायरा परीक्षण को लेकर भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की सराहना की।

मार्च में जीएसटी संग्रह घटकर 97,597 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह मार्च में घटकर 97,597 करोड़ रुपये रह गया। फरवरी में जीएसटी संग्रह 1.05 लाख करोड़ रुपये रहा था। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को बयान में कहा कि कुल 97,597 करोड़ रुपये के जीएसटी संग्रह में से केंद्रीय जीएसटी का हिस्सा 19,183 करोड़ रुपये रहा। इसी तरह राज्य जीएसटी संग्रह 25,601 करोड़ रुपये रहा। एकीकृत जीएसटी संग्रह 44,508 करोड़ रुपये रहा, जिसमें से 18,056 करोड़ रुपये आयात पर जुटाए गए। बयान के अनुसार 31 मार्च, 2020 तक कुल 76.5 लाख जीएसटीआर-3बी रिटर्न दाखिल किए गए।

1 अप्रैल से बदल गए जीएसटी, मोबाइल और पीएफ सहित 8 नियम

आपकी जेब पर पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्ली। एजेंसी

एक अप्रैल से नया फाइनेंशियल ईयर (New Financial Year 2020-21) शुरू हो रहा है। नए वित्त वर्ष में कई नियम चेंज हो जाएंगे, जिनके बदलने से आपकी रोजमर्रा की जिंदगी पर असर होगा। टैक्स से लेकर गैस सिलेंडर और बैंकों के मर्जर तक सभी चीजों बड़ा फेरबदल होगा।

नया इनकम टैक्स सिस्टम होगा लागू

बजट 2020-21 में सरकार ने वैकल्पिक दरों और स्लैब के साथ एक नई आयकर व्यवस्था (New Income Tax Regime) शुरू की, जो 1 अप्रैल से शुरू होने वाले नये वित्तीय वर्ष से प्रभावी हो जाएगी। नई कर व्यवस्था में कोई छूट और कटौती का लाभ नहीं मिलेगा। हालांकि नई कर व्यवस्था वैकल्पिक है यानी करदाता चाहे तो वह पुराने टैक्स स्लैब के हिसाब से भी आयकर अदा कर सकता है। वहीं नए कर प्रस्ताव के तहत 5 लाख रुपये सालाना आय वाले को कोई कर नहीं देना है। 5 से 7.5 लाख रुपये सालाना आय वालों के लिए टैक्स की दर 10%, 7.5 से 10 लाख रुपये की आय पर 15%, 10 लाख रुपये से 12.5 लाख रुपये पर 20%, 12.5 लाख रुपये से 15 लाख रुपये की आय पर 25% और 15 लाख रुपये से अधिक की आय पर 30% की दर से कर लगेगा।

रिटायरमेंट के 15 साल बाद पूरी पेंशन का प्रावधान

छह लाख से ज्यादा ईपीएस पेंशनर्स के लिए अच्छी खबर है। 1 अप्रैल से EPS पेंशनर्स को ज्यादा पेंशन मिलेगी। सरकार ने रिटायरमेंट के 15 साल बाद पूरी पेंशन का प्रावधान बहाल कर दिया है। इस नियम को 2009 में वापस ले लिया गया था। श्रम मंत्रालय ने नए नियमों को अधिसूचित कर दिया है। इसके अलावा कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) स्कीम के तहत पीएफ खाताधारकों के लिए पेंशन के कम्यूटेशन यानी एकमुश्त आंशिक निकासी का प्रावधान भी अमल में आ गया है। यह कदम खासतौर से उन ईपीएफओ पेंशनर्स के लिए फायदेमंद साबित होगा जो 26 सितंबर, 2008 से पहले रिटायर हुए हैं और पेंशन की आंशिक निकासी का विकल्प चुना है। कम्यूटेड पेंशन का विकल्प चुनने की तारीख से 15 साल बाद उन्हें पूरी पेंशन का फायदा दोबारा मिलने लगेगा।

बैंकों का होगा मर्जर

नुकसान में चल रहे बैंकों का मर्जर हो गया है। देश में अब सरकारी बैंकों की संख्या घटकर 12 रह गई है। विलय के तहत ओरिएंटल बैंक ऑफ कामर्स (OBC) और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया (United Bank of India) का विलय पंजाब नेशनल बैंक (PNB) में, सिंडिकेट बैंक (Syndicate Bank) का केनरा बैंक (Canara Bank) में, आंध्रा बैंक (Andhra Bank) और कॉरपोरेशन बैंक (Corporation Bank) का यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (Union Bank of India) और इलाहाबाद बैंक (Allahabad Bank) का इंडियन बैंक (Indian Bank) में विलय हो गया है। इस मर्जर के बाद सबसे ज्यादा असर ग्राहकों पर पड़ेगा क्योंकि खाताधारकों के बैंक अकाउंट नंबर से लेकर ष्ह्एए कोड तक सब बदल जायेगा।

मोबाइल होगा महंगा

इसके अलावा मोबाइल कीमतों पर नई जीएसटी दरें लागू होंगी। 1 अप्रैल से मोबाइल खरीदने वाले ग्राहकों को ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे क्योंकि 1 तारीख से मोबाइल पर 12 फीसदी की जगह 18 फीसदी की दर से टैक्स लगेगा।

BOI ने ब्याज दरों में की बड़ी कटौती

बैंक ऑफ इंडिया ने रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत ब्याज दरों में कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को देने का फैसला किया है। BOI ने रविवार को एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट्स में 75 बेसिस प्वाइंट्स यानी 0।75 फीसदी की कटौती की है। इस कटौती के बाद एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट घरकर 7.25 फीसदी हो गया। लेंडर्स एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट RBI के रेपो रेट से लिंक्ड है। ब्याज दरों में यह कटौती 1 अप्रैल से प्रभावी होगी। बता दें कि 27 मार्च को रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में 75 बेसिस प्वाइंट की कटौती किया था, जिसके बाद यह 4।4 फीसदी के स्तर पर आ गया था।

विदेशी टूर पैकेज के लिए TCS

1 अप्रैल, 2020 से विदेशी टूर पैकेज खरीदना और विदेशों में कोई भी फंड खर्च करना महंगा हो जाएगा। अगर कोई विदेशी टूर पैकेज खरीदता है या विदेशी करेंसी एक्सचेंज कराता है तो 7 लाख रुपये से अधिक की रकम पर टैक्स कलेक्शन एट सोर्स (TCS) देना होगा। दरअसल, केंद्र सरकार ने आम बजट 2020 में सेक्शन 206C में संशोधन कर विदेशी टूर पैकेज और फंड पर 5 फीसदी TCS लगाने का प्रस्ताव दिया।

खाना पकाना हो सकता है सस्ता, नेचुरल गैस की कीमतों पर फैसला संभव

सरकार ने देश में उत्पादित प्राकृतिक गैस के बिक्री मूल्य में 26 फीसदी की बड़ी कटौती की है। इस तरह 2014 में घरेलू गैस का मूल्य निर्धारण फार्मूला आधारित बनाये जाने के बाद दाम सबसे निम्न स्तर पर आ गये हैं। प्राकृतिक गैस के दाम घटने से सीएनजी, पाइप के जरिये घरों तक पहुंचाई जाने वाली गैस के दाम भी कम होंगे लेकिन इससे ओएनजीसी जैसी गैस उत्पादक कंपनियों के राजस्व में भारी कमी आने की आशंका है।

डिविडेंड डिस्ट्रीब्यूशन टैक्स में बदलाव (Dividend distribution tax)

डिविडेंड डिस्ट्रीब्यूशन टैक्स (Dividend distribution tax) के नियम में बदलाव होने जा रहा है। 1 अप्रैल के बाद से भारतीय कंपनियों के दिए गए डिविडेंड पर DDT नहीं लगेगा।

सरकार ने जारी किया अध्यादेश

PM CARES Fund में देने वाली रकम पर 100% मिलेगी Income Tax छूट

नई दिल्ली। सरकार ने कोरोना वायरस संकट से निपटने को पीएम-केयर कोष में चंदे पर आयकर में 100 फीसदी कटौती की घोषणा को अध्यादेश के जरिए कानूनी रूप दे दिया है। इस संकट के दौरान करदाताओं और कारोबारियों को आयकर, जीएसटी, सीमा शुल्क एवं उत्पाद कर रिटर्न भरने, आयकर छूट पाने के लिये विभिन्न निवेश और भुगतानों के मामले में राहत देने जैसे तमाम उपायों को कानूनी तौर पर अमलीजामा पहनाने के लिये मंगलवार को सरकार ने अध्यादेश किया।

राष्ट्रपति ने "कराधान और अन्य कानून (विभिन्न प्रावधानों में राहत) अध्यादेश 2020" को मंगलवार को अपनी संस्तुती दे दी। इस अध्यादेश के जरिये पीएम केयर्स फंड में दिये गये योगदान पर भी उसी तरह 100 प्रतिशत की कर छूट देने का प्रावधान किया गया है जैसी छूट प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय राहत कोष में योगदान देने पर मिलती है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस लिहाज से पीएम केयर्स फंड में किये गये दान पर आयकर कानून की धारा 80जी के तहत 100 प्रतिशत कर कटौती होगी। पीएम केयर्स फंड में दिये गये दान पर सकल आय की 10 प्रतिशत कटौती की सीमा भी लागू नहीं होगी।

आयकर रिटर्न भरने की समयसीमा बढ़ी

अध्यादेश जारी होने के बाद वित्त वर्ष 2018-19 की आयकर रिटर्न भरने की समयसीमा को 31 मार्च से बढ़ाकर 30 जून करने और पैन के साथ आधार पहचान संख्या को जोड़ने की अंतिम तिथि को भी तीन माह के लिये 30 जून तक बढ़ा दिया गया है। अध्यादेश के जरिये मार्च, अप्रैल और मई में दी जाने वाली केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की रिटर्न को भी अब 30 जून 2020 तक भरा जा सकेगा। आयकर कानून अध्याय छह ए-बी के तहत धारा 80सी, 80डी, 80जी जिनके तहत क्रमशः बीमा पॉलिसी, पीपीएफ, राष्ट्रीय बचत पत्र आदि, चिकित्सा बीमा प्रीमियम और दान आदि में किये गये निवेश, भुगतान पर कर कटौती दी जाती है ऐसे निवेशों के लिये भी समयसीमा को 30 जून 2020 तक बढ़ाया गया है। यानी 2019- 20 के दौरानल कर छूट पाने के लिये इनमें अब निवेश 30 जून तक किया जा सकेगा।

वक्तव्य में कहा गया है कि कराधान और बेनामी अधिनियम के तहत विभिन्न प्रकार की समय सीमा को विस्तार दिये जाने के लिये सरकार 31 मार्च को अध्यादेश लाई है। इन कानूनों के तहत नियमों और अधिसूचनाओं में दी गई समयसीमा के विस्तार के लिये इसमें प्रावधान किया गया है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के विवरणों के दाखिलें के समय में विस्तार आदि की घोषणाओं को भी इसके साथ ही लागू कर दिया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोरोना वायर संक्रमण के संकट के मद्देनजर 24 मार्च को आयकर विवरण जमा करने और जीएसटी के अनुपालन , पैन को आधार से जोड़ने और अन्य सांविधिक प्रावधनों के अनुपालन की समय सीमा आदि बढ़ाने की घोषणा की थी।

हिंदुस्तान एयरनॉटिक्स ने 2019-20 में किया 21,100 करोड़ रुपये का कारोबार

बेंगलुरू। एजेंसी

सार्वजनिक क्षेत्र की हिंदुस्तान एयरनॉटिक्स ने 31 मार्च 2020 को समाप्त वित्त वर्ष में 21,100 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2018-19 में कंपनी का कारोबार 19,705 करोड़ रुपये था। हालांकि कंपनी के यह आंकड़े अस्थायी और गैर - लेखापरीक्षण किए हुए हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि 2019-20 में उसके सूचीबद्ध होने के बाद लगातार दूसरी बार उसके राजस्व में करीब सात प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। कंपनी ने कहा कि 2019-20 के दौरान नकदी की कमी, परिचालन में रुकावट और कर्मचारियों की हड़ताल के बावजूद उसका प्रदर्शन बेहतर रहा है। इस दौरान कंपनी ने 31 नए विमानों/हेलीकॉप्टरों और 117 नए इंजनों का निर्माण किया। वहीं 199 विमानों/हेलीकॉप्टरों की ओवरहॉलिंग और 490 इंजनों का रखरखाव किया गया।

4 सरकारी बैंकों का लोन हुआ सस्ता

घट जाएगी आपके होम-ऑटो लोन की EMI

नई दिल्ली। एजेंसी

कोरोना वायरस महामारी (Coronavirus Pandemic) संकट को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 27 मार्च को रेपो रेट में 0.75 फीसदी की बड़ी कटौती की थी। इस कटौती का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए देश के चार सरकारी बैंकों ने लोन दरों में कटौती की है। सबसे पहले भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने ब्याज दरों में कटौती की घोषणा की। इसके बाद, बैंक ऑफ इंडिया (BOI), बैंक ऑफ बड़ौदा (BoB) ने लोन दरों में कटौती की। अब एक और सरकारी बैंक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (UBI) ने लोन ब्याज दरों में बड़ी कटौती का ऐलान किया है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी रेपो रेट से जुड़ी लोन ब्याज दरों में 0।75 प्रतिशत की कटौती की। लोन दरों में कटौती से अब इन बैंकों से होम लोन या आटो लोन लेना सस्ता हो जाएगा।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने सोमवार को अपनी रेपो रेट से जुड़ी लोन ब्याज दरों में 0.75 प्रतिशत की कटौती कर दी। इसके बाद बैंक की लोन ब्याज दरें 7.20 प्रतिशत पर आ गयी हैं। बैंक ने यह निर्णय RBI के रेपो दर में 0.75 प्रतिशत की कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए किया है। बैंक ने एक बयान में कहा कि यह ब्याज दरें होम, ऑटो और पर्सनल लोन से लेकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम (MSME) उद्योग ऋणों पर लागू होंगी। यह ब्याज दरें आंध्र बैंक और कॉरपोरेशन बैंक के ग्राहकों पर भी समान रूप से लागू होंगी, क्योंकि बुधवार से इन दोनों बैंक का यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में विलय प्रभावी हो जाएगा।

SBI

RBI के ऐलान के तुरंत बाद SBI ने रेपो रेट में कटौती का फायदा अपने ग्राहकों को दिया। SBI ने एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट (EBR) और रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (RLLR) में 0.75 फीसदी की कटौती की है। यह कटौती 1 अप्रैल 2020 से लागू होगी। इसके बाद अब SBI में EBR 7.80 फीसदी से घटकर 7.05 फीसदी सालाना हो गई है। RLLR 7.40 फीसदी से घटकर 6.65 फीसदी सालाना पर आ गई है। SBI द्वारा इन दोनों लेंडिंग रेट में कटौती के बाद इस बैंक से होम लोन (Home Loan) लेने वाले ग्राहकों को 30 साल की अवधि के होम लोन EMI में प्रति लाख 52 रुपये की कमी आएगी। ऐसे में अगर आपने एँ से 30 साल के लिए 30 लाख रुपये का लोन लिया है तो आपकी EMI 1,560 रुपये कम हो जाएगी।

बैंक ऑफ इंडिया

बैंक ऑफ इंडिया (Bank of India) ने रविवार को अपने ग्राहकों को बड़ा तोहफा दिया है। बैंक ऑफ इंडिया ने रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा नीतिगत ब्याज दरों में कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को देने का फैसला किया है। BOI ने रविवार को एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट्स में 75 बेसिस प्वाइंट्स यानी 0.75 फीसदी की कटौती की है। इस कटौती के बाद एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट घटकर 7.25 फीसदी हो गया। लेंडर्स एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट RBI के रेपो रेट से लिंक्ड है। ब्याज दरों में यह कटौती 1 अप्रैल से प्रभावी होगी।

बैंक ऑफ बड़ौदा

BOB ने सोमवार को बड़ौदा रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (BRLLR) में 75 बेसिस प्वाइंट्स यानी 0.75 फीसदी की कटौती करने की घोषणा की। इस कटौती के बाद बैंक के रिटेल लोन, पर्सनल और माइक्रो स्मॉल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज (MSMEs) की ब्याज दर घटकर 7.25 फीसदी हो गई। नई दरें 28 मार्च से लागू हो गईं। नए ग्राहकों को तुरंत फायदा मिलेगा, जबकि मौजूदा ग्राहकों के लिए दरों में कमी उनके लोन की रीसेट डेट से लागू होगी।

लॉकडाउन के चलते सिर्फ 5 फीसदी ट्रक ही सड़कों पर, ढुलाई हो रही प्रभावित- AIMTC

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

ड्राइवरों और श्रमिकों की वजह से देशभर में माल ढुलाई का एक प्रमुख परिवहन साधन यानी ट्रक सड़कों से लगभग गायब हैं। कोरोना वायरस (ण्दिदर्हिनिले) की वजह से देश में इस समय लॉकडाउन (थ्दम्व्है) लागू है, जिसकी वजह से ट्रक ऑपरेटरों को चालकों और माल चढ़ाने उतारने के लिए श्रमिकों की कमी से जूझना पड़ रहा है। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (ैध्श्ऊण) ने बुधवार को कहा कि देशभर में कुल ट्रकों की संख्या 90 लाख है। इनमें से सिर्फ पांच प्रतिशत ट्रक सड़कों पर हैं। इससे माल की ढुलाई बुरी तरह प्रभावित हुई है।

एआईएमटीसी ने कहा कि गृह मंत्रालय ने रविवार को अधिसूचना जारी कर बंद के दौरान गैर जरूरी वस्तुओं की आवाजाही की अनुमति दे दी है लेकिन इसके बावजूद स्थिति नहीं सुधरी है। इसकी वजह से बहुत से ट्रक चालक अपने घरों को वापस लौट गए हैं या फिर ऐसे स्थानों पर रुके हैं जहां उन्हें खाने और ठहरने की सुविधा मिल रही है।

एआईएमटीसी की कोर समिति के चेयरमैन एवं पूर्व अध्यक्ष बाल मलकित सिंह ने कहा, देशभर में 90 लाख वाणिज्यिक वाहन हैं। 3,500 राज्य, जिला, तालुका स्तर के निकाय एआईएमटीसी से संबद्ध हैं। सिर्फ 5 प्रतिशत वाणिज्यिक वाहन ही परिचालन कर रहे हैं। इनके जरिये मुख्य रूप से एलपीजी और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति हो रही है। इसके अलावा छोटी दूरी के लिए दूध के टैंकर भी चल रहे हैं। सिंह ने बताया कि अभी बाजार में जो फल, सब्जियां आ रही हैं वे किसान खुद अपने माध्यमों से ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि 24 मार्च की बंदी की घोषणा से पहले ही आंशिक बंदी लागू थी। कई राज्यों ने अपनी सीमाओं को सील किया हुआ था। इस वजह से लाखों ट्रक फंसे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि जिस समय बंदी की घोषणा की गई उसके बाद बड़ी संख्या में ट्रक चालक अपने घरों को लौट गए। राजमार्गों पर ढाबे आदि भी बंद है जिसकी वजह से बड़ी संख्या में ट्रक चालक सुरक्षित स्थानों। मसलन जहां उन्हें भोजन और रहने की सुविधा उपलब्ध है वहां चले गए हैं। सिंह ने कहा कि इसके अलाव चढ़ाने-उतारने के लिए मजदूर नहीं मिल रहे हैं। इस वजह से ट्रकों का परिचालन प्रभावित हुआ है।

COVID-19:

BSNL और वोडाफोन-आइडिया ने बदला अपना नाम

'BSNL Stay at Home' और 'Vodafone-Be Safe' का डिसप्ले

नई दिल्ली। एजेंसी

COVID-19 से निपटने के लिए सरकार के साथ ही टेलिकॉम कंपनिया भी अपने स्तर पर कोशिश कर रही हैं। कोरोना वायरस संक्रमण का फिलहाल कोई इलाज नहीं है। इससे बचने के लिए घर में रहना ही सबसे बेहतर उपाय है। यूजर्स को इसी चीज के प्रति जागरूक करने के लिए सरकारी टेलिकॉम कंपनी BSNL और प्राइवेट कंपनी Vodafone Idea ने अपने नेटवर्क ऑपरेटर नाम में बदलाव किया है।

क्या है नया नाम

कोरोना वायरस को लेकर लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए बीएसएनएल के अपना नेटवर्क ऑपरेटर नाम बदल दिया है। अब बीएसएनएल यूजर्स को मोबाइल स्क्रीन पर BSNL Mobile की बजाय 'BSNL Stay at Home' दिख रहा है। इसी तरह वोडाफोन नेटवर्क का नाम फोन की स्क्रीन पर 'Vodafone-Be Safe' से डिस्प्ले हो रहा है।

नाम बदले जाने पर मिली-जुली प्रतिक्रिया

नेटवर्क ऑपरेटर नाम बदले जाने के बाद वोडाफोन को कई ट्वीट मिले। इसमें कुछ यूजर्स ने कंपनी के इस कदम की तारीफ की, तो वहीं कुछ ने इसे खास पसंद नहीं किया। कंपनी को मिले नकारात्मक कमेंट की वजह नेटवर्क टॉवर प्रॉब्लम और बकाए एजीआर को बताया जा रहा है।

बढ़ी प्रीपेड प्लान्स की वैलिडिटी

कंपनियों को कोशिश है कि देश में कोरोना वायरस के कारण चल रहे लॉकडाउन पीरियड में किसी यूजर को रिचार्ज को लेकर परेशान न होना पड़े। इसीलिए बीएसएनएल ने ऑपरेटर का नाम बदलने के साथ ही अपने प्रीपेड प्लान्स को वैलिडिटी को 20 अप्रैल 2020 तक बढ़ा दिया है। इसके साथ ही कंपनी सभी सब्सक्राइबर्स को 10 रुपये का टॉक टाइम भी ऑफर कर रही है। ऐसे में बीएसएनएल यूजर जीरो बैलेंस होने पर भी अपने परिजनों से बात कर सकेंगे। बीएसएनएल की तरह एयरटेल और वोडाफोन ने भी फ्री टॉक टाइम क्रेडिट के साथ प्रीपेड प्लान्स की वैलिडिटी को बढ़ा दिया है।

वोडाफोन लाया 95 रुपये का नया ऑल-राउंडर पैक

वोडाफोन ने हाल में अपने यूजर्स के लिए 95 रुपये का एक नया ऑल-राउंडर पैक लॉन्च किया है। इस पैक में 56 दिन की वैलिडिटी के साथ 200MB डेटा और 74 रुपये का टॉक टाइम दिया जा रहा है। यह पैक अभी देश के कुछ चुनिंदा सर्कल्स में ही उपलब्ध है। आप इसकी जानकारी कंपनी की वेबसाइट से ले सकते हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बनाया रिकॉर्ड, TCS को पीछे छोड़ फिर बनी देश नंबर 1 कंपनी

नई दिल्ली। एजेंसी

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) को एक बार फिर रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) ने बाजार पूंजीकरण के हिसाब से पीछे छोड़ दिया है। अब रिलायंस देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। मंगलवार को बीएसई के बंद होने पर आरआईएल का एमकैप 7,05,211.81 करोड़ रुपये रहा, जबकि टीसीएस का एमकैप 6,84,078.49 करोड़ रुपये रहा। इस तरह आरआईएल का एमकैप टीसीएस से 21,133.32 करोड़ रुपये अधिक हो गया है। आरआईएल का शेयर मंगलवार को 7.76% की तेजी के साथ 1,112.45 रुपये पर रहा, जबकि टीसीएस का शेयर महज 2.64% उछलकर 1,823.05 रुपये पर रहा। बीते 27 मार्च को आरआईएल को पछाड़कर टीसीएस बाजार पूंजीकरण के हिसाब से देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी थी।

पहले भी एक दूसरे को पछाड़ती रही हैं ये दोनों कंपनियां

दोनों कंपनियां आरआईएल तथा टीसीएस पहले भी बाजार पूंजीकरण के आधार पर एक दूसरे को पछाड़ती रही हैं। ऊर्जा, वित्तीय और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में तेजी की अगुवाई में शेयर बाजार मंगलवार को मजबूत हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,028.17 अंक यानी 3.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 29,468.49 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 316.65 अंक यानी 3.82 प्रतिशत मजबूत होकर 8,597.75 अंक पर बंद हुआ।

राज्य बीएस-4 वाहनों पर उच्चतम न्यायालय के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करें: केंद्र

नयी दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार ने राज्यों से भारत चरण-चार (बीएस-4) वाहनों की बिक्री और पंजीकरण पर उच्चतम न्यायालय के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा है। शीर्ष अदालत ने पिछले सप्ताह लॉकडाउन समाप्त होने के बाद दस दिन तक बीएस-4 वाहनों की बिक्री की अनुमति दी है। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में इन वाहनों की बिक्री नहीं की जा सकेगी। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने बीएस-4 वाहनों की बिक्री की समयसीमा 31 मार्च, 2020 तय की थी। फेडरेशन आफ आटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने कोरोना वायरस फैलने और अर्थव्यवस्था में सुस्ती के बीच उच्चतम न्यायालय से इस समयसीमा को बढ़ाने की अपील की थी, जिसपर शीर्ष अदालत ने यह फैसला दिया। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने राज्यों को लिखे पत्र में कहा है, ''संबंधित राज्य-संघ शासित प्रदेशों के परिवहन विभाग को उच्चतम न्यायालय के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करना है।''न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा और न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता की पीठ ने शुक्रवार को इस मामले पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सुनवाई की थी। पीठ ने स्पष्ट किया था कि दिल्ली-एनसीआर में एक अप्रैल, 2020 से बीएस-4 वाहनों की बिक्री नहीं हो सकती। इसके साथ ही न्यायालय ने यह भी कहा था कि बीएस-4 वाहनों के भंडार में से सिर्फ 10 प्रतिशत वाहन ही इस 10 दिन की अवधि के दौरान बेचे जा सकते हैं।

आरबीआई ने कोरोना वायरस महामारी के आर्थिक असर से निपटने के लिए और उपायों की घोषणा की

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को कोरोना वायरस महामारी के आर्थिक प्रभाव से निपटने के लिए कुछ नए उपायों की घोषणा की। निर्यात आय की प्राप्ति और उसे स्वदेश भेजने के लिये निर्यातकों को और समय दिया गया है। इसके साथ ही आरबीआई ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनकी आय और व्यय में फौरी तौर पर आने वाले अंतर की भरपाई के लिये दी जाने वाली अग्रिम राशि की सीमा 30 प्रतिशत बढ़ा दी गई है। कोरोना वायरस महामारी का मुकाबला करने के लिए नए उपायों की घोषणा करते हुए आरबीआई ने कहा कि बैंकों और निवेश फर्मों के लिए पूंजी आवश्यकता सुनिश्चित करने वाले काउंटर-साइक्लिकल कैपिटल बफर (सीसीवाईबी) को फिलहाल लागू करना आवश्यक नहीं है।

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि वर्तमान में निर्यातकों द्वारा वस्तुओं तथा सॉफ्टवेयर निर्यात की पूरी राशि को निर्यात की तारीख से नौ महीने के भीतर देश में लाना होता है। आरबीआई ने कहा कि कोविड-19 महामारी के चलते आई दिक्कतों के चलते 31 जुलाई 2020 तक किए गए निर्यात से होने वाली आय को देश में लाने की अवधि निर्यात की तारीख से 15 महीने कर दी गई है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि इस फैसले से निर्यातक कोविड-19 से प्रभावित देशों से विस्तारित अवधि के भीतर भुगतान पा सकेंगे और भविष्य के निर्यात सौदों पर बातचीत के लिए उनके पास अधिक लचीलापन होगा। आरबीआई ने कहा कि सरकार को उसकी प्राप्तियों और भुगतान मे आने वाले अंतर की भरपाई के लिए अस्थाई रूप से अग्रिम नकदी दी गई है। केन्द्रीय बैंक ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी से उत्पन्न स्थिति को देखते हुये उसने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की खर्चों को चलाने के लिये दी जाने वाली सीमा को भी करीब 30 प्रतिशत बढ़ा दिया गया है।

आरबीआई ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए उनके सामान्य खर्चों की सीमा की समीक्षा के लिए एक सलाहकार समिति का गठन किया था। समिति की सिफारिशें अभी मिलनी बाकी है लेकिन उसकी अंतिम रिपोर्ट आने तक सीमा में फिलहाल यह वृद्धि करने का फैसला किया गया है। संशोधित सीमा एक अप्रैल 2020 से 30 सितंबर 2020 तक मान्य होगी। आरबीआई ने केन्द्र सरकार के खर्चों के लिये जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान यह सीमा 70,000 करोड़ रुपये निर्धारित की है, जो पिछली तिमाही में 60,000 करोड़ रुपये थी।

लॉकडाउन की वजह से इलेक्ट्रॉनिक्स, फोन कंपनियों ने वॉरंटी बढ़ाई

नयी दिल्ली। एजेंसी

इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल हैंडसेट कंपनियों ने कोरोना वायरस की वजह से राष्ट्रव्यापी बंदी के मद्देनजर उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए अपने उत्पादों पर वॉरंटी की अवधि बढ़ा दी है। दक्षिण कोरिया की दिग्गज इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने अपने उत्पादों पर वॉरंटी 31 मई, 2020 तक बढ़ा दी है। इन सभी उत्पादों पर वॉरंटी 20 मार्च से 30 अप्रैल, 2020 तक समाप्त हो रही है। इसी तरह वनप्लस फोन ने एक मार्च से 30 मई के दौरान समाप्त हो रही वॉरंटी की अवधि को बढ़ाकर 31 मई कर दिया है।

ओप्पो ने भी इस तरह वॉरंटी की अवधि बढ़ाते हुए अपने ग्राहकों के लिए आनलाइन मरम्मत सेवा शुरू की है। इसके जरिये ग्राहक आम समस्याओं या साफ्टवेयर से संबंधित दिक्कतों का हल पा सकते हैं। इस बारे में शाओमी के प्रवक्ता ने कहा कि ग्राहकों से वॉरंटी के बारे में पूछताछ आ रही है। हम जल्द उनकी जरूरत को पूरा करने का प्रयास करेंगे। टीवी, फीचरफोन और एक्सेसरीज कंपनी डेटल ने अपने उन उत्पादों पर वॉरंटी की अवधि 60 दिन बढ़ाने की घोषणा की है जिनपर वॉरंटी 20 मार्च से 20 मई, 2020 के दौरान समाप्त हो रही है। डेटल के संस्थापक योगेश भाटिया ने कहा कि कोविड-19 के मद्देनजर लागू बंदी को देखते हुए हमने ग्राहकों को राहत देने के लिए अपने उत्पादों पर वॉरंटी 60 दिन के लिए बढ़ा दी है। घरेलू मोबाइल कंपनी लावा ने भी अपने सभी उत्पादों पर वॉरंटी की अवधि 60 दिन के लिए बढ़ा दी है। लावा ने अपने सेवा प्रबंधकों की एक विशेष टीम भी गठित की है, जो ग्राहकों को व्यक्तिगत रूप से फोन कर या संदेश भेज उनकी समस्या को हल करने का प्रयास करेगी।

टेक्नो ने अपने स्मार्टफोन पर 20 मार्च से 31 मई के दौरान समाप्त हो रही वॉरंटी की अवधि को दो महीने बढ़ा दिया है। इनफिनिक्स इंडिया ने भी अपने उत्पादों पर वॉरंटी की अवधि दो महीने बढ़ाने की घोषणा की है। देश में कोविड-19 के मामलों की संख्या बढ़कर 1,637 हो गई है। अब तक इस महामारी से 38 लोगों की जान गई है।

विनिवेश प्राप्ति 50,298 करोड रुपये पर, संशोधित लक्ष्य नहीं हो सका हासिल

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार चालू वित्त वर्ष के दौरान विनिवेश के संशोधित लक्ष्य को भी हासिल करने में असफल रही है। केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के विनिवेश से होने वाली प्राप्तियों का संशोधित लक्ष्य हासिल करने में वह 14,700 करोड़ रुपये पीछे रह गई। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 2019- 20 में सरकार की विनिवेश के जरिये वास्तविक प्राप्ति 50,298.64 करोड़ रुपये रही है जबकि संशोधित बजट अनुमान में सरकार ने 65,000 करोड़ रुपये की राशि विनिवेश से मिलने की उम्मीद लगाई थी। इस प्रकार संशोधित अनुमान हासिल करने में भी सरकार को करीब 14,700 करोड़ रुपये की कमी रह गई। सरकार ने 2019- 20 के बजट में विनिवेश प्राप्तियों से 1.05 लाख करोड़ रुपये मिलने का अनुमान लगाया था जिसे 2020- 21 का बजट पेश करते समय संशोधित कर 65,000 करोड़ रुपये कर दिया गया। चालू वित्त वर्ष के दौरान सरकार ने टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड और नीपको में अपनी हिस्सेदारी का एनटीपीसी को रणनीतिक विनिवेश कर 11,500 करोड़ रुपये प्राप्त किये। इसके साथ ही कामाराजन पोर्ट की रणनीतिक बिक्री चेन्नई पोर्ट ट्रस्ट को 2,383 करोड़ रुपये में कर दी गई। केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के इटटीएफ के फालो-आन आफर से 26,500 करोड़ रुपये और भारत-22 ईटीएफ के जरिये 4,368 करोड़ रुपये जुटाये गये। इसके अलावा दो उपाक्रमों आरवीएनएल और आईआरसीटीसी के प्रारम्भिक सार्वजनिक निर्गम के जरिये 1,113 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई गई। वहीं राइट्स में बिक्री पेशकश के जरिये सरकार को 1,130 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई। मॉयल, एमडीएल और एसपीएमसीआईएल द्वारा शेयरों की वापस खरीद से सरकार को 821 करोड़ रुपये मिले वहीं एसयूयूटीआई से 600 करोड़ रुपये की प्राप्ति सरकारी खजाने में हुई। शत्रु शेयरों की बिक्री करके भी सरकार ने 1,881 करोड़ रुपये जुटाये। सरकार ने 2017- 18 में विनिवेश से एक लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था जिसके मुकाबले उसने एक लाख करोड़ रुपये से कुछ अधिक राशि हासिल की। इसी प्रकार 2018- 19 में उसने 80 हजार करोड़ रुपये के बजट लक्ष्य के मुकाबले 84,972 करोड़ रुपये प्राप्त किये। लेकिन अब दो साल के बाद सरकार विनिवेश लक्ष्य हासिल करने में असफल रही है। अगले वित्त वर्ष 2020- 21 के लिये उसने विनिवेश से 2.10 लाख करोड़ रुपये जुटाने का बड़ा लक्ष्य रखा है। वर्ष के दौरान एयर इंडिया, बीपीसीएल का विनिवेश सरकार की सूची में शामिल है। इसके अलावा उसने एलआईसी के आईपीओ के जरिये भी राशि जुटाने की घोषणा की है।

आयात शुल्क मूल्य कम होने से सोयाबीन, पाम तेल में नरमी, सरसों वायदा नीचे होने से किसानों को नुकसान

नयी दिल्ली। एजेंसी

विदेशी बाजारों में नरमी के रुख के बीच बुधवार को स्थानीय तेल तिलहन बाजार में सोयाबीन, कच्चा पामतेल और पामोलीन के भाव में गिरावट रही। वहीं दूसरी तरफ सरसों वायदा भाव नीचे बोले जाने से किसानों के लिये लूज में सरसों का भाव 3,600 रुपये क्विंटल के आसपास पड़ता है जो कि रबी मौसम के न्यूनतम समर्थन मूल्य से 800 रुपये क्विंटल तक कम है।बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशी बाजारों में मंदी के रुख के बीच मंगलवार को कच्चा पामतेल, सोयाबीन और पामोलीन तेल का आयात शुल्क मूल्य कम करने से इन तेलों के भाव में नरमी आई। वैसे भी पूरी दुनिया में सीपीओ एवं पामोलीन की मांग नहीं है लेकिन भाव ऊंचे बोले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संभवतः लोगों में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरुकता के कारण भी देशी हल्के तेलों की मांग बढ़ी है। सरसों, सोयाबीन और बिनौला हल्के तेल हैं, ये तेल जमते नहीं हैं। उन्होंने बताया कि सीपीओ के आयात शुल्क मूल्य में 256 रुपये, सोयाबीन में 245 रुपये और पामोलीन तेल में 300 रुपये क्विन्टल की कमी की गई है।सूत्रों ने कहा कि एक अप्रैल से सरसों का नया बढ़ा हुआ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू हो गया है। रबी मौसम के लिये सरसों का एमएसपी 4,425 रुपये क्विन्टल घोषित किया गया है। इस पर वारदाना और मंडी शुल्क अलग से लगता है।

कोरोनाः रेलवे कोच बन गया अस्पताल, तैयार हो रहे 3.2 लाख आइसोलेशन बेड

नई दिल्ली। लॉकडाउन के कारण ट्रेनों का संचालन ठप है। ऐसे में रेलवे कोरोना के खिलाफ जंग में पूरी तरह कूद चुका है। रेलवे अपने एसी और नॉन-एसी कोच को आइसोलेशन वार्ड में बदल रहा है ताकि जरूरत पड़ने पर इसका उचित इस्तेमाल किया जा सके। स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से बयान जारी कर कहा गया कि रेलवे 3.2 लाख आइसोलेटेड बेड तैयार कर रहा है। इसके लिए 20 हजार कोच में जरूरी बदलाव किए जा रहे हैं।

5000 कोच के मॉडिफिकेशन का काम जारी

स्वास्थ्य मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी लव अग्रवाल ने मीडिया से कहा कि 5000 कोच के मॉडिफिकेशन का काम शुरू हो चुका है। रेलवे कोच को अस्पताल में परिवर्तित करने के लिए जरूरी मेडिकल सामान जैसे टेस्टिंग किट, मेडिसिन और मास्क को लाइफ लाइन फ्लाइट की मदद से पहुंचाए जा रहे हैं।

ईस्ट-सेंट्रल रेलवे ने शुरुआत में 208 कोचों में क्वारंटीन/आइसोलेशन वार्ड बनाने की तैयारी की है। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर पूर्व मध्य रेल भी 208 स्लीपर कोच को क्वारंटीन/आइसोलेशन वार्ड बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। पूर्व-मध्य रेलवे द्वारा कुल 208 यात्री कोच में कुल 1664 बेड यानि प्रति कोच 8 बर्थ उपलब्ध होंगे।

अलग-अलग कारखानों में चल रहा काम

पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि दानापुर मंडल में 55, धनबाद मंडल में 45, सोनपुर मंडल में 37, समस्तीपुर मंडल में 22, पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 20 एवं सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना/हरनौत में 29 कोचों को क्वारंटीन/आइसोलेशन कोच के रूप में तब्दील किया जाएगा।

पैरामेडिकल स्टॉफ तैनात होंगे

इन रेलवे वार्ड्स में लाईफ सेविंग ड्रग, चिकित्सा उपकरण, जांच मशीनें और पैरामेडिकल स्टाफ तैनात रहेंगे। इसके अलावा मरीज की जरूरत के हिसाब से कोचों के एक शौचालय को स्नानागार में बदला जाएगा। हर केबिन की दोनों मिडिल बर्थ को हटाया जा रहा है और वॉशबेसिन में लिफ्ट टाइप के हैंडल के साथ नल को उचित ऊंचाई पर स्थापित किया जाएगा ताकि बाल्टी को भी भरा जा सके।

ऑक्सिजन सिलिंडर भी उपलब्ध होंगे

चिकित्सा विभाग द्वारा दो ऑक्सिजन सिलिंडर भी उपलब्ध कराए जाएंगे जो केबिन के साइड बर्थ पर मौजूद जगह पर लगाए जाएंगे। हर केबिन में दो बोतल होल्डर लगेंगे और उचित वेंटिलेशन की सुविधा के साथ खिड़कियों पर मच्छरदानी और डस्टबिन होंगे। कोचों को इन्सुलेशन और गर्मी के प्रभाव को कम करने के लिए के लिए कोच के उपरी भाग तथा खिड़की के आस-पास बांस/खड़ के मैट भी लगाए जाएंगे।

राम जन्म की 5 रोचक घटनाएं

भगवान प्रभु श्रीराम का जन्म वाल्मीकि कृत रामायण के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी को हुआ था। आओ जानते हैं जन्म की 5 रोचक घटनाएं।

1.राजा दशरथ ने किया था पुत्रेष्टि यज्ञ : रामचरितमानस के बालकांड के अनुसार राजा दशरथ ने पुत्र की कामना से पुत्रेष्टि यज्ञ किया था। वशिष्ठजी ने श्रृंगी ऋषि को बुलवाया और उनसे शुभ पुत्रकामेष्टि यज्ञ कराया। इस यज्ञ के बाद कौसल्या आदि प्रिय रानियों को पुत्र प्राप्त हुए।

2.शुभ योग में हुआ जन्म : योग, लग्न, ग्रह, वार और तिथि सभी अनुकूल हो गए तब श्रीराम का जन्म हुआ। पवित्र चैत्र का महीना था, नवमी तिथि थी। शुक्ल पक्ष

और भगवान का प्रिय अभिजित मुहूर्त था। दोपहर का समय था। न बहुत सर्दी थी, न धूप (गरमी) थी।

3. चारों और मौसम खुशनुमा हो गया : वह पवित्र समय सब लोकों को शांति देने वाला था। जन्म होते ही जड़ और चेतन सब हर्ष से भर गए। शीतल, मंद और सुगंधित पवन बह रहा था। देवता हर्षित थे और संतों के मन में (बड़ा) चाव था। वन फूले हुए थे, पर्वतों के समूह मणियों से जगमगा रहे थे और सारी नदियां अमृत की धारा बहा रही थीं।

4. देवता उपस्थित हुए : जन्म लेते ही ब्रह्माजी समेत सारे देवता विमान सजा-सजाकर पहुंचे। निर्मल आकाश देवताओं के समूहों से भर गया। गंधर्वों के दल गुणों का गान करने लगे। सभी देवाता राम लला को देखने पहुंचे।

5.नगर में हुआ हर्ष व्याप्त : राजा दशरथ ने नांदीमुख श्राद्ध करके सब जातकर्म-संस्कार आदि किए और द्वीजों को सोना, गो, वस्त्र और मणियों का दान दिया। संपूर्ण नगर में हर्ष व्याप्त हो गया। ध्वजा, पताका और तोरणों से नगर छा गया। जिस प्रकार से वह सजाया गया। चारों और खुशियां ही खुशियां थीं। घर-घर मंगलमय बधावा बजने लगा। नगर के स्त्री-पुरुषों के झुंड के झुंड जहां-तहां आनंदमग्न हो रहे हैं।

प्रभु श्रीराम के इन 11 गुणों से हम सबको सीखना चाहिए

महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण में उल्लेख मिलता है कि, 'भगवान श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। वह हर कार्य को बेहतर प्रबंधन से करते थे। तभी उन्होंने त्रेतायुग के सबसे बड़े दानव लंकापति का संहार किया।'

भगवान श्रीराम के जीवन से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। खासतौर पर उनके द्वारा अपनाई गई व्यावहारिक नीतियां, यही कारण था कि कठिन परिस्थितियों में भी वे सफल रहे। भगवान श्रीराम के स्वभाव के इन 11 गुणों से सीखना चाहिए

1. सभी से हंसते-मुस्कुराते मिलना।
2. लोगों के नामों को याद रखना और उन्हें, उन्हीं नाम से संबोधित करना।
3. दूसरों की बातों को ध्यान और धीरज से सुनना।
4. लोगों के प्रति सच्ची निष्ठा रखना।
5. दूसरे व्यक्तियों को सम्मान देना।
6. किसी को अपने विचार मनवाने के लिए तर्क और विवाद का सहारा नहीं लेना।
7. उच्च आदर्श व सिद्धांत का पालन करने में हर कठिनाई को सहन करने के लिए तैयार रहना।
8. दूसरे के विचारों और भावनाओं के प्रति सच्ची सहानुभूति रखना।
9. दूसरे की दृष्टि से घटनाओं या वस्तुओं को देखने का प्रयास करना।
10. अपनी त्रुटि(गलती) को शीघ्र स्वीकार कर लेना।
11. दूसरे व्यक्तियों के विचारों के प्रति आदर की भावना होना।

राम से भी बड़ा राम का नाम क्यों, जानिए 5 रहस्य

होइहै वही जो राम रचि राखा।
को करे तरफ बढ़ाए साखा।।

'राम' सिर्फ एक नाम नहीं हैं और न ही सिर्फ एक मानव। राम परम शक्ति हैं। प्रभु श्रीराम के द्रोहियों को शायद ही यह मालूम है कि वे अपने आसपास नर्क का निर्माण कर रहे हैं। इसीलिए यह चिंता छोड़ दो कि कौन प्रभु श्रीराम का अपमान करता है और कौन सुनता है। कौन जपता है और कौन नहीं जपता है।

1.राम से भी बड़ा राम का नाम : कहते हैं कि प्रभु श्रीरा राम का नाम राम से भी बड़ा है। राम राम जपने से कई लोगों को मोक्ष प्राप्त हो गया। राम एक महामंत्र है, जिसे हनुमान ही नहीं भगवान

शिव भी जपते हैं। राम से पहले भी राम का नाम था। प्राचीन काल में राम ईश्वर के लिए संबोधित होता था।

2.राम या मार : राम का उल्टा होता है म, अ, र अर्थात मार। मार बौद्ध धर्म का शब्द है। मार का अर्थ है- इंद्रियों के सुख में ही रत रहने वाला और दूसरा आंधी या तूफान। राम को छोड़कर जो व्यक्ति अन्य विषयों में मन को रमाता है, मार उसे वैसे ही गिरा देती है, जैसे सूखे वृक्षों को आंधियां।

3.राम नाम कहने का अर्थ:

1. एक बार राम कहा तो संबोधन हुआ। राजस्थान में कहते हैं राम सा। आपके सारे दुःख हरने वाला सिर्फ एकमात्र नाम है- 'हे राम।'

2. दो बार राम कहा तो अभिवादन हुआ। उत्तर भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में कहते हैं राम राम।

3. तीन बार राम कहा तो संवेदना हुई। जैसे 'ये क्या हुआ राम राम राम।'

4. चार बार राम कहा तो भजन हुआ।

4. तारणहार राम का नाम : राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादूदयाल, सुंदरदास, मलूकदास, समर्थ रामदास आदि। श्रीराम-श्रीराम जपते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं।

5. जीवन रक्षक नाम : प्रभु श्रीराम नाम के उच्चारण से जीवन में सकारात्क ऊर्जा का संचार होता है। जो लोग ध्वनि विज्ञान से परिचित हैं वे जानते हैं कि 'राम' शब्द की महिमा अपरम्पार है। जब हम 'राम' कहते हैं तो हवा या रेत पर एक विशेष आकृति का निर्माण होता है। उसी तरह चित्त में भी विशेष लय आने लगती है। जब व्यक्ति लगातार 'राम' जप करता रहता है तो रोम-रोम में प्रभु श्रीराम बस जाते हैं। उसके आसपास सुरक्षा का एक मंडल बनना तय समझो। प्रभु श्रीराम के नाम का असर जबरदस्त होता है।

7 शब्दों का इससे सरल राम मंत्र किसी पुराण में नहीं मिलेगा

श्री राम, जय राम, जय जय राम

'श्री राम जय राम जय जय राम' - यह सात शब्दों वाला तारक मंत्र है। साधारण से दिखने वाले इस मंत्र में जो शक्ति छिपी हुई है, वह अनुभव का विषय है। इसे कोई भी, कहीं भी, कभी भी कर सकता है। फल बराबर मिलता है।

हमारा सबसे बड़ा दुर्भाग्य आज यही है कि हम राम नाम का सहारा नहीं ले रहे हैं। हमने जितना भी अधिक राम नाम को खोया है, हमारे जीवन में उतनी ही विषमता बढ़ी है, उतना ही अधिक संत्रास हमें मिला है। एक सार्थक नाम के रुप में हमारे ऋषि-मुनियों ने राम नाम को पहचाना है। उन्होंने इस पूज्य नाम की परख की और नामों के आगे लगाने का चलन प्रारंभ किया। प्रत्येक हिन्दू परिवार में देखा जा सकता है कि बच्चे के जन्म में राम के नाम का सोहर होता है। वैवाहिक आदि सुअवसरों पर राम के गीत गाए जाते हैं। राम नाम को जीवन का महामंत्र माना गया है।

राम सर्वमय व सर्वमुक्त हैं। राम सबकी चेतना का सजीव नाम हैं। अस समर्थ रघुनायकहिं, भजत जीव ते धन्य? प्रत्येक राम भक्त के लिए राम उसके हृदय में वास कर सुख सौभाग्य और सांत्वना देने वाले हैं।

तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में लिख दिया है कि प्रभु के जितने भी नाम प्रचलित हैं, उन सब में सर्वाधिक श्री फल देने वाला नाम राम का ही है।

यह नाम सबसे सरल, सुरक्षित तथा निश्चित रुप से लक्ष्य की प्राप्ति करवाने वाला है। मंत्र जप के लिए आयु, स्थान, परिस्थिति, काल, जात-पात आदि किसी भी बाहरी आडम्बर का बंधन नहीं है। किसी क्षण, किसी भी स्थान पर इसे जप सकते हैं।

जब मन सहज रूप में लगे, तब ही मंत्र जप कर लें। तारक मंत्र 'श्री' से प्रारंभ होता है। 'श्री' को सीता अथवा शक्ति का प्रतीक माना गया है। राम शब्द 'रा' अर्थात् र-कार और 'म' मकार से मिल कर बना है। 'रा' अग्नि स्वरुप है। यह हमारे दुष्कर्मों का दाह करता है। 'म' जल तत्व का द्योतक है। जल आत्मा की जीवात्मा पर विजय का कारक है।

इस प्रकार पूरे तारक मंत्र - 'श्री राम, जय राम, जय जय राम' का सार निकलता है - शक्ति से परमात्मा पर विजय। योग शास्त्र में देखा जाए तो 'रा' वर्ण को सौर ऊर्जा का कारक माना गया है। यह हमारी रीढ़-रज्जू के दाईं ओर स्थित पिंगला नाड़ी में स्थित है। यहां से यह शरीर में पौरुष ऊर्जा का संचार करता है। 'मा' वर्ण को चन्द्र ऊर्जा कारक अर्थात स्त्री लिंग माना गया है। यह रीढ़-रज्जू के बांई ओर स्थित इड़ा नाड़ी में प्रवाहित होता है।

इसीलिए कहा गया है कि श्वास और निश्वास में निरंतर र-कार 'रा' और म-कार 'म' का उच्चारण करते रहने से दोनों नाड़ियों में प्रवाहित ऊर्जा में सामंजस्य बना रहता है। अध्यात्म में यह माना गया है कि जब व्यक्ति 'रा' शब्द का उच्चारण करता है तो इसके साथ-साथ उसके आंतरिक पाप बाहर फेंक दिए जाते हैं। इससे अंतःकरण निष्पाप हो जाता है।

BS6 हुंडई वरना लॉन्च

शुरुआती कीमत 9.31 लाख रुपए

सेगमेंट की पहली कार जिसमें है वायरलेस चार्जिंग समेत 8 नए फीचर्स

हुंडई ने अपनी पॉपुलर सेडान का वरना का बीएस 6 मॉडल लॉन्च कर दिया है। इसके बेस वैरिएंट की कीमत 9.31 लाख रुपए है जबकि टॉप वैरिएंट 15.10 लाख रुपए का है। इसमें तीन इंजन ऑप्शन मिलेंगे जिसमें दो पेट्रोल और एक डीजल इंजन है। कार में मैकेनिकल और फीचर अपडेट्स के अलावा 8 ऐसे फीचर्स मिलेंगे जो सेगमेंट में पहली बार देखने को मिलेंगे।

इंजन में कितना है दम

कार में 1.5 लीटर का नेचुरली एसपीरेटेड पेट्रोल इंजन है, जो 114 हॉर्स पावर की ताकत और 144 एनएम का टॉर्क मिलेगा। इसमें 6 स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन स्टैंडर्ड और CVT ऑप्शन भी मिलेगा।

1.0 लीटर टर्बो यूनिट में 119 हॉर्स पावर और 172 एनएम का टॉर्क मिलेगा। इसमें 7-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स मिलेगा।

1.5 लीटर डीजल इंजन में 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन मिलेगा। इसमें 114 हॉर्स पावर और 250 एनएम का टॉर्क मिलेगा। इसके अलावा इसमें टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक सेटअप भी मिलेगा।

सेफ्टी के लिए क्या मिलेगा

कार में स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचर्स के तौर पर एबीएस, रिय पार्किंग सेंसर, सीट बेल्ट रिमाइंडर, फ्रंट पैसेंजर्स के लिए दो एयरबैग्स मिलेंगे।

टॉप वैरिएंट में ईएससी, फ्रंट पार्किंग सेंसर, रिवर्स कैमरा, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम भी मिलेगा।

इसमें 8 ऐसे फीचर को सेगमेंट में पहली बार दिए गए हैं

ब्लू लिंक टेलीमैटिक सिस्टम

वेन्यू, एलेंट्रा और क्रेटा के बाद वरना फेसलिफ्ट में हुंडई की ब्लू लिंक कनेक्टिविटी मिलेगी जिसमें 45 फीचर्स मिलेंगे। इसमें वॉयस कमांड फॉर इन-कार फंक्शन, रिमोट इंजन और एयर-कॉन ऑपरेशन (सिर्फ ऑटोमैटिक के लिए)। इन फंक्शन को स्मार्टवॉच से भी कंट्रोल किया जा सकेगा।

डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर विद 4.2 इंच एमआईडी

वरना फेसलिफ्ट पहली मिड-साइज सेडान है जिसमें फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलेगा। इसके अलावा इसमें 4।2 इंच का मल्टी इंफॉर्मेशन डिस्प्ले भी है, जो इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के ठीक बीचोंबीच रहेगा।

वायरलेस चार्जर

वरना फेसलिफ्ट में वायरलेस चार्जिंग की सुविधा भी मिलेगी। यह वायरलेस चार्जिंग पैड गियर लीवर के पास स्थित है।

रियर यूएसबी चार्जिंग पॉइंट

यह सेगमेंट की पहली कार है जिसमें रियर यूएसबी चार्जिंग पोर्ट मिलेगा।

वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स

यह सेगमेंट की पहली सेडान कार है जिसमें कूल्ड फ्रंट सीट्स मिलती है। गर्मी के मौसम में ड्राइवर को रिलेक्स और कूल रहने में मदद करेगा।

हैंड्स फ्री बूट ओपनिंग

वरना फेसलिफ्ट हैंड्स-फ्री ओपनिंग फंक्शनैलिटी से लैस है। इस फीचर की मदद से चाबी बूट स्पेस की पास ले जाने पर यह डिक्की को ऑटोमैटिक ओपन कर देता है।

इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल

यह सेगमेंट की पहली कार है जिसमें इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल मिलता है। इमरजेंसी में तेजी से ब्रेक लगाने पर हजाड्र्स लाइट्स फ्लैश करने लगती है, ताकि पीछे आ रही गाड़ी से एक्सीडेंट न हो।

आर्केमीज ऑडियो सिस्टम

इसमें आर्केमीज का प्रीमियम साउंड सिस्टम है, जो वरना फेसलिफ्ट के बेस वैरिएंट में भी मिलेगा।

रॉयल एनफील्ड बुलेट 350 1.21 लाख रुपए है BS6 की शुरुआती कीमत

कंपनी ने वेबसाइट पर अपडेट की कीमत और स्पेसिफिकेशन

नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड ने ऑफिशियल वेबसाइट पर बीएस6 बुलेट 350 और बुलेट X 350 ES इलेक्ट्रिक स्टार्ट की कीमत और स्पेसिफिकेशन को अपडेट कर दिया है। साइट के मुताबिक, कंपनी की सबसे सस्ती मोटरसाइकिल यानी बुलेट® 350 के बीएस6 वर्जन की एक्स शोरूम कीमत 1.21 लाख रुपए होगी जबकि बीएस6 स्टैंडर्ड बुलेट 350 की कीमत 1.27 लाख रुपए और बुलेट X 350 ES की कीमत 1.37 लाख रुपए होगी। हालांकि ये बीएस4 मॉडल से 9 हजार रुपए महंगी हो गई है लेकिन बावजूद इसके यह अभी भी कंपनी की सबसे सस्ती मोटरसाइकिल है क्योंकि बीएस6 क्लासिक 350 इससे 40 हजार रुपए महंगा है। कई यह कई डीलरों ने इनकी बुकिंग्स लेना भी शुरू कर दिया है।

स्टैंडर्ड 350 और X-वैरिएंट में क्या अंतर है?

X-वैरिएंट को कंपनी ने बुलेट 350 के सस्ते वर्जन के तौर पर लॉन्च किया है। यह दिखने में स्टैंडर्ड बुलेट 350 से थोड़ी अलग है। X-वैरिएंट को ब्लैक थीम पर डिजाइन किया गया है, इसमें स्टैंडर्ड बुलेट 350 की तरह क्रोम नजर नहीं आएगा।

X-वैरिएंट के इंजन और क्रैंक केस को ब्लैक फिनिश दिया गया है। यहां तक की इसके टैंक को सिंपल रखा गया है। फ्यूल टैंक पर 3D लोगो की जगह सिंपल लोगो मिलेगा। और सभी बदलाव इसकी कीमत को कम करने के लिए किया गया है।

इंजनः टॉर्क पहले जितना लेकिन पावर कम हुआ

इंजन की बात करें तो बीएस6 वर्जन में कर्ब्युरेटर की जगह फ्यूल-इंजेक्शन सिस्टम का इस्तेमाल किया गया है और एग्जॉस्ट में भी कैटेलिक कन्वर्टर जोड़ा गया है।

इसमें 346 सीसी का सिंगल सिलेंडर, एयर-कूल्ड इंजन है, जो 19.1 हॉर्स पावर की ताकत और 28 एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। बीएस4 मॉडल से तुलना करें तो बीएस6 मॉडल में टॉर्क तो पहले जितना ही है मिलेगा यानी 28 एनएम है लेकिन ताकत कम हो गई है। बीएस4 मॉडल में 19.8 हॉर्स पावर की ताकत मिलती थी।

कोरोना वायरस से निपटने के लिए देश में दवाओं की कमी नहीं : सरकार

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि कोरोना वायरस से निपटने के लिए देश में दवाओं की कोई कमी नहीं है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सरकार का दवा विभाग कोरोना वायरस के मामले सामने आने के बाद से नियमित दवा उत्पादन और उसके वितरण की समीक्षा कर रहा है। वहीं वितरण से जुड़े विभिन्न मुद्दों का अन्य विभागों, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ मिलकर समाधान भी कर रहा है। इसके अलावा राष्ट्रीय दवा मूल्य प्राधिकरण (एनपीपीए) ने सभी दवा विनिर्माताओं को किसी भी समय पर आवश्यक दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश भी दिए हैं। मंत्रालय ने कहा कि स्थिति की निगरानी के लिए दवा विभाग के तहत एक नियंत्रण केंद्र स्थापित किया गया है जो सवेरे आठ से शाम छह बजे कार्य कर रहा है। एनपीपीए का नियंत्रण केंद्र 24 घंटे काम कर रहा है।

वाणिज्य मंत्रालय की चीन से आयातित कैलकुलेटर पर डंपिंग रोधी शुल्क जारी रखने की सिफारिश

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

वाणिज्य मंत्रालय चीन से आयातित कैलकुलेटरों पर डंपिंग-रोधी शुल्क जारी रखने के पक्ष में है। घरेलू कंपनियों को सस्ते आयात से संरक्षण के लिए वाणिज्य मंत्रालय ने डंपिंग-रोधी शुल्क जारी रखने की सिफारिश की है। मंत्रालय की जांच इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने कहा कि इस बात के पर्याप्त प्रमाण हैं कि यदि इस शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो इससे घरेलू उद्योग को नुकसान होगा। डीजीटीआर ने कहा कि इन परिस्थितियों के मद्देनजर यह उचित होगा कि मौजूदा डंपिंग-रोधी शुल्क को जारी रखा जाएगा। डीजीटीआर ने चाइनीज कैलकुलेटरों पर दो शुल्क...0.28 डॉलर प्रति इकाई और 1.22 डॉलर प्रति इकाई लगाने की सिफारिश की है।

कोरोना वायरस : जेन टेक्नोलॉजीज भारत के लिए वेंटिलेटर प्रोटोटाइप विकसित करेगा

नयी दिल्ली। जेन टेक्नोलॉजीज ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई में वह भारत के लिए वेंटिलेटर प्रोटोटाइप विकसित करने की प्रक्रिया में है। कंपनी ने बीएसई को बताया कि उत्पाद जल्द तैयार होने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के एक हिस्से के रूप में जेन टेक्नोलॉजीज का एक शोध एवं विकास दल भारत के लिए वेंटिलेटर प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए काम कर रहा है।

80% गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स के ऑर्डर होंगे कैंसल!

CMAI के सर्वे में दावा, लॉकडाउन के बाद बंद हो सकती हैं 20% यूनिटें

नई दिल्ली। एजेंसी

लॉकडाउन ने कपड़ा और परिधान क्षेत्र की कंपनियों की हालत पतली कर दी है। जहां बिक्री ठप होने से उनकी इनवेंटरी बढ़ती ज रही है, वहीं बड़े पैमाने पर ऑर्डर कैंसल होने से आगे की राह भी मुश्किल नजर आ रही है। शीर्ष कंपनियों के बीच कराये गए सर्वे में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी पैदा होने की आशंका भी जताई गई है।

द क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (CMAI) की ओर से मंगलवार को जारी सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक 81% मेंबर्स ने बताया है कि उन्हें उनके बायर्स की ओर से ऑर्डर कैंसिलेशन के नोटिस मिले हैं। 20% का कहना है कि लॉकडाउन के बाद उन्हें बिजनेस बंद करना पड़ सकता है। 59% ने माना है कि उनकी आमदनी में 40% तक गिरावट आ सकती है, जबकि 29% को लगता है कि यह गिरावट 20 से 40% तक हो सकती है। 80% यूनिटों को लगता है कि वे लॉकडाउन के दौरान और उसके बाद के मंदी के हालात में मौजूदा वर्कफोर्स को सहन नहीं कर पाएंगी।

सर्वे में शामिल 98% यूनिटों को लॉकडाउन से पहले और उसके बाद होने वाली सप्लाई पर पेमेंट में देरी होने की आशंका सता रही है। 90% यूनिटों ने माना कि जीरो सेल्स के चलते उनकी इनवेंटरी 30-40% तक बढ़ सकती है।

CMAI के सेक्रेटरी पी चंद्रशेखरन ने कहा कि 21 दिन के लॉकडाउन ने सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले सेक्टर में उथल-पुथल शुरू कर दी है। सप्लाई चेन टूट चुकी है और मंदी की आशंका जताई जा रही है, जिससे बेरोजगारी भी बढ़ेगी। करीब 4 लाख वर्कर्स और 60,000 करोड़ रु सेल्स वाले चुनिंदा मैन्यूफैक्चरर्स के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया कि अगर 20% कंपनियां बंद हुईं तो पूरे सप्लाई चेन में 50 लाख से 1 करोड़ लोगों को रोजीरोटी गंवानी पड़ेगी। 80% मेंबर्स ने कहा है कि उन्हें अपना ऑपरेशंस छोटा करना पड़ेगा। एसोसिएशन की ओर से यह भी कहा गया है कि अगर सरकार ऐसे हालात में गारमेंट सेक्टर के लिए विशेष पैकेज दे तो उन्हें मुश्किलों से बहुत हद तक उबारा जा सकता है। इसके लिए 5 महीने तक 50% वेजेज सब्सिडी की मांग की गई है, जो अधिकतम 5000 रुपये हो सकती है। कुल कर्जों पर सभी बैंक 5% इंटरेस्ट सब्वेंशन दें और 25% एडिश्नल वर्किंग कैपिटल मुहैया कराई जाए। हालांकि आरबीआई ने पहले ही खुछ किस्तों पर 3 महीने की रोक लगा रखी है, संगठन ने परचेज बिल डिस्काउंटिंग और लेटर ऑफ क्रेडिट पर भी 90 दिन रोक की मांग की है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए करें आयुर्वेद पर भरोसा!

'आपकी तन्दरूस्ती बचा कर रखते हैं रोजाना 4 बादाम और हल्दी वाला दूध'

इंदौर। देश में इस वक्त कोरोना वायरस के इलाज को लेकर तमाम तरह की कवायद की जा रही है लेकिन इस महामारी से निपटने का कोई भी इलाज़ अभी तक विश्व का बड़ा से बड़ा विकसित देश भी नहीं ढूंढ पाया है। चाइना ने इस महामारी को नियंत्रण करने की घोषणा जरूर की है, इस महामारी से निपटने का टीका अभी तक कोई भी देश, यहां तक कि यूएसए यूके और चाइना जैसे विकसित देश भी नहीं ढूंढ पाएं हैं। भारत में भी इस बीमारी से जूझने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है।

जहां कुछ रोज पहले मरीजों की संख्या डेढ़ सौ के आसपास थी वहीं अब ये संख्या 1440 तक पहुंच गई है स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई है, जिसके कारण प्रधानमंत्री मोदी ने 21 दिनों का संपूर्ण लॉक डाउन भी घोषित कर दिया है। हालांकि इस दौरान एक अच्छी खबर यह सुनने को मिली कि डब्ल्यूएचओ ने स्वीकारा कि भारत एक ऐसा मुल्क है जिसने पहले भी दो वैश्विक महामारीयों से लड़ाई लड़के एक विशालकाय जीत हासिल की है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन सुप्रीम अधिकारियों ने माना है कि भारत जिस तरह से कोरोनावायरस के खिलाफ एक्शन ले रहा है वह एक सराहनीय कदम है और उन्हें उम्मीद है कि जिस तरह भारत ने पिछली दो महामारियों को अपने देश से जड़ से खत्म करने की पहल की जिनमें चिकन पॉक्स और पोलियो शामिल है, इसी प्रकार कोरोनावायरस से निपटने का भी भारत एक अचूक उपाय निकालेगा।

एक भारतवासी होने के नाते मैं डब्लयू एच ओ के अनुमान से पूरी तरह सहमत हूं। भारत ने हजारों सालों से अपनी संस्कृति और सभ्यता के दम पर विश्व को अपनी ओर आकर्षित किया है। हम कभी विश्व गुरु कहलाया करते थे। हमने अपने धर्म ग्रंथ हो या फिर गुरु हो या फिर योगियों से धार्मिक परंपरा के साथ-साथ बौद्धिक, कलात्मक और राजनीतिक ज्ञान को भी अपनी आत्मा और शरीर में एकत्रित करने का गुण सिखा है। आज इस महामारी से बचने के लिए हमें हाथ धोना एक सलाह बताई जा रही है। हमें साफ सफाई रखना एक सलाह बताई जा रही है। दुनिया से हाथ मिलाने की बजाए हाथ जोड़ने की गुजारिश की जा रही है। मैं मानता हूं कि यह सारे संस्कार हम भारतीयों को बचपन से ही दिए जाते है, हम शुरू से ही इन्हीं बातों का पालन करते आए हैं। अब वह बात अलग है कि मॉडर्न वर्ल्ड के साथ हमने अपने आपको चेंज कर लिया हो लेकिन हम सभी के अंदर कहीं ना कहीं वह सांस्कृतिक और सभ्यता वाला गुण शामिल है। फिर वह किसी भी धर्म से क्यों ना हो इसी तरह जब पूरी दुनिया इस महामारी

का इलाज ढूंढने की कोशिश कर रही है। मैं मानता हूं कि हमें अपनी इम्यूनिटी पावर बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। आज कहा जा रहा है कि जिन लोगों में इम्यूनिटी पावर कम होती है, उन्हें यह बीमारी फौरन जकड लेती है। इसलिए मैं एक मुफ्त सलाह देना चाहता हूं कि आप आयुर्वेद पर विश्वास कर अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा सकते हैं और ये बात उसी प्रकार हमारी भारतीय सभ्यता में शामिल है जैसे हाथ धोना, साफ सफाई रखना और नमस्ते करना आदि । यह काफी पहले साबित हो चुका है कि आंवला, गिलोय, शिलाजीत और ऐसी अन्य जड़ी बूटियां हमारी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती हैं। आयुर्वेद के कई जाने-माने डॉक्टर आंवला,नीम, तुलसी आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों को इन्फेक्शन दूर भगाने के लिए इस्तेमाल करने का सुझाव देते हैं।

'पिछले कुछ वर्षों के गहन अध्यन और वेद विशारद होने के नाते मैं इस चीज को दावे के साथ कह सकता हूं कि आयुर्वेद और आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों में सिर्फ कोरोना ही नहीं बल्कि दुनिया की हर बीमारी को अपने शरीर से दूर रखने की क्षमता होती है'

मैं समझता हूं कि कोरोना वायरस से बचने का एक सीधा सा उपाय यह हो सकता है कि आप ठंडी चीजों से दूर रहें । वैसे भी जब हमें थोड़ा बहुत सर्दी जुखाम होता है तो हम ठंडी चीजों से दूर ही रहते हैं। कोरोना वायरस के साथ भी कुछ ऐसा खास नहीं है अगर हम ठंडी चीजों से दूर हैं तो इससे बचे रह सकते हैं। कोशिश करें गुनगुना पानी पिएं। आमतौर पर डॉक्टर भी सर्दी जुखाम में गुनगुना पानी पीने की सलाह देते हैं, लेकिन मैं अपने अनुभव से ये कहूंगा कि वायरस के इस दौर में आप सिर्फ गुनगुना पानी नहीं बल्कि गुनगुना डिटॉक्स पानी पिएं। आप गुनगुने पानी को थोड़ा डिटॉक्स करके पिए तो यह शायद और ज्यादा बेहतर होगा। आप चाहे तो पानी में पुदीने के पत्ते, बड़ी इलायची या फिर लॉन्ग ऐसा कुछ मिलाकर भी पी सकते हैं। यह थोड़ा मुश्किल जरूर होगा लेकिन हां मुझे पूरा भरोसा है कि आप को बचाकर भी रखेगा। आप चाहे तो पानी को तुलसी के पत्ते के साथ भी डिटॉक्स कर सकते हैं। तुलसी के पत्ते में भी कई गुण शामिल होते हैं जिसके बारे में हम शुरू से ही पढ़ते और जानते समझते आए हैं। यदि आपको यह सब पानी में मिलाकर करने में कोई झिझक महसूस हो रही हो या अच्छा नहीं लग रहा हो तो आप अपने खाने में गरम मसाले की क्वांटिटी आज से ही बढ़ा लें लीजिए। गरम मसाले का इस्तेमाल करना फायदेमंद हो सकता है क्योंकि गरम मसालों में सारी वह चीजें होती हैं जो आपके शरीर के टेंपरेचर को मेंटेन करके रखती है और उनमें कई तरीके के गुण भी शामिल होता है।

दूसरी चीज यह कि हमारे शरीर में बलगम जमता क्यों है, उसकी वजह होती विटामिन सी। विटामिन सी की कमी से हमें बलगम या जुखाम जैसी कोई समस्या होती है तो इससे बचने का एक सीधा सा उपाय शुरू से ही बताया जा रहा है कि ऐसी स्थिति में खट्टी चीजें खाएं अब खट्टी चीजें क्या हो सकती हैं वो खट्टी चीजें नींबू हो सकता है या फिर संतरा हो सकता है। इन सब चीजों से हटकर मैं बचपन से ही एक चीज मानता चला आ रहा हूं कि यदि आप रोजाना हल्दी वाला दूध और चार बादाम खाते हैं तो में दावा कर सकता हूं कि आपको कोई भी बीमारी हाथ नहीं लगा पाएगी। आप इन दिनों के चमत्कारी गुण जानते ही होंगे। लेकिन इनका रोजाना सेवन आपको कोरोना जैसी ना जाने कितनी ही बीमारियों से रोज बचाता है।

बैंक EMI:

तीन महीने की छूट को लेकर पूरी जानकारी नहीं, ग्राहक हो रहे परेशान

नई दिल्ली। एजेंसी

कोरोना वायरस की फांस से देश भर में हुए लॉकडाउन की वजह से रिजर्व बैंक ने तो लोन की ईएमआई चुकाने में तीन महीने की मोहलत दे दी है, लेकिन बैंक इस बारे उचित नीति बना कर इसकी सूचना ग्राहकों को समय पर देने में विफल रहे है। यही वजह है कि ग्राहक मंगलवार से ही जगह जगह से जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन संतुष्ट नहीं हो पा रहे हैं।

27 मार्च को हुई थी घोषणा

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बीते 27 मार्च को नीतिगत दरों की समीक्षा के बाद ही इस बारे में घोषणा कर दी थी। उन्होंने बताया कि था कि इस बारे में विस्तृत दिशा निर्देश बैंकों से जारी किये जाएंगे। इससे उम्मीद जगी थी कि एक—दो दिन में इस बारे में दिशा निर्देश आ जाएगा। लेकिन बैंकों ने इसमें देरी की और 31 मार्च को शाम में इस बारे में ट्वीट करना शुरू किया। ग्राहकों को जब तक सूचना मिली, तब तक बैंकों की शाखाओं में कार्य समय बीत चुका था। हालांकि बैंकों ने एसएमएस के जरिये सूचना भेजनी शुरू की, लेकिन उससे ग्राहक संतुष्ट होने की बजाय कंफ्यूज ज्यादा हुए।

आईबीए ने निकाला FAQ

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने एक अप्रैल की सुबह एक ट्वीट कर इंडियन बैंक असोसिएशन (आईबीए) के एफएक्यू की एक सूची को पोस्ट किया। इससे जाकर लोगों की जिज्ञासा शांत हुई। लेकिन सवाल यह उठता है कि भारत के कितने लोग वित्त मंत्रालय का ट्वीटर हैंडल देख पाए होंगे। अखबारों में खबर पढ़ कर एक अप्रैल को जब ग्राहक बैंक की शाखा पहुंचे तो वहां वित्त वर्ष का पहला दिन होने की वजह से लेखा बंदी थी। मतलब शाखा बंद।

बैंक के अधिकारी भी हैं अंधेरे में

इंडियन बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी से जब हमने इस बारे में जानना चाहा तो वह भी कुछ नहीं बता पाए। उनका कहना था कि आज तो एक अप्रैल है, बैंक की लेखा बंदी। इस वजह से हम सिस्टम में लॉग इन ही नहीं कर पा रहे हैं। सर्कुलर वगैरह सब सिस्टम पर ही रहता है। अब तो दो अप्रैल को ही पता चल पाएगा। इसी तरह का जवाब सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एक अधिकारी से मिला।

बैंक मर्जर में भी फंसे रहे वरिष्ठ अधिकारी

आज ही से सार्वजनिक क्षेत्र के 10 बैंक मिल कर चार बैंक बन रहे हैं। इसलिए इन बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों का ज्यादा ध्यान मर्जर पर ही टिका रहा। रही सही कसर लॉकडाउन ने पूरा कर दिया। मुंबई मुख्यालय वाले एक बैंक के वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि उनका कार्यालय पुराने शहर में है जबकि अधिकतर अधिकारी नवीं मुंबई में रहते हैं। मुंबई की लाइफलाइन लोकल ट्रेन अभी बंद है। ऐसे में दो तिहाई लोग तो आ ही नहीं पाते।

कम पढ़े लिखे ग्राहक ज्यादा परेशान हैं

इस समय जो ग्राहक गांव के हैं या कम पढ़े लिखे हैं, उन्हें ज्यादा परेशानी है। वह आईबीए के एफएक्यू पढ़ कर भी जानकारी नहीं ले पा रहे हैं। उनकी जानकारी का एक ही स्रोत है, बैंक की शाखा। लेकिन बुधवार को बैंक की शाखा भी बंद ही मिली।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुन: प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।